म्हारा घटवा विराजता | By Sanjay Chauhan |

तन मन तुमपे वारूँ मैं
विनय सुनो ओंकार
शरण में आए भक्त भी
नैया लगा दो पार
सकल जगत में घूमके
देखा बारंबार
ओंकारेश्वर धाम सा
तीर्थ नहीं साकार

म्हारा घटवा विराज ताऊ तार जी
रेवा जी म्हाप्रभु जी
म्हारो मनड़ो रा मेचे
ओंकारेश्वर धाम
म्हारो तन मन जपे छे
ओंकार जी नो नाम
शिव शंकर जी नो नाम
म्हारा घटवा विराज ताऊ तार जी
रेवा जी म्हाप्रभु जी

ओंकारेश्वर नाचते
मैं चरण पड़ूँ
हाथ जोड़ी मैं रेवा
मनु नमन करूँ
द्वारे जाऊँ नुं नुमलेश्वर
ने ध्यान ये धरूँ
एक अरज करूँ
म्हारा घटवा विराज ताऊ तार जी
रेवा जी म्हाप्रभु जी

श्री अमलेश्वर नाथ
आशा पूरण करे
श्री ओंकारेश्वर नाथ
लाज भक्तों की रखे
रेवा माता सब भक्तों के
संकट हरे
भव पार करे
म्हारा घटवा विराज ताऊ तार जी
रेवा जी म्हाप्रभु जी

शिवशंकर भोलेनाथ की
सवारी रे प्यारी
जेरा दर्शन नी भीड़
पड़े भक्तों री भारी
प्यारी लागे है
ओंकारेश्वर नगरी रे प्यारी
शिव महिमा है भारी
म्हारा घटवा विराज ताऊ तार जी

रेवा जी म्हाप्रभु जी

म्हारा घटवा विराज ताऊ तार जी
रेवा जी म्हाप्रभु जी
म्हारो मनड़ो रा मेचे
ओंकारेश्वर धाम
म्हारो तन मन जपे छे
ओंकार जी नो नाम
शिव शंकर जी नो नाम
म्हारा घटवा विराज ताऊ तार जी
रेवा जी म्हाप्रभु जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%98%e0%a4%9f%e0%a4%b5%e0%a4%be-%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%a4%e0%a4%be-by-sanjay-chauhan/